भारत सरकार

पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 2897

दिनांक 12.12.2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वच्छता के संबंध में जागरुकता

†2897. श्री हरिवंशः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दो सालों में सरकार ने कितने शौचालयों का निर्माण करवाया है और इनमें से कितने शौचालय प्रयोग में लाये जा रहे हैं;

(ख) स्वच्छता को लेकर जागरुकता फैलाने पर सरकार ने उक्त अवधि में कितना खर्च किया है; और

(ग) क्या रिपोर्ट के मुताबिक, 7.41 करोड़ घरों में बने शौचालय प्रयोग योग्य नहीं हैं और यदि हां, तो इस स्थिति में बदलाव लाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) 02 अक्तूबर, 2014 से स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत से 09 दिसम्बर, 2016 तक 2.88 करोड़ वैयक्तिक पारिवारिक शौचालय बनवाए गए। वर्ष 2015 में ग्रामीण भारत में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा संचालित सर्वेक्षण के अनुसार स्वच्छ शौचालयों वाले परिवारों में से 95.6 प्रतिशत लोगों द्वारा उनका उपयोग होना पाया गया।

(ख) वर्ष 2014-15 और 2015-16 के दौरान सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी) पर 254.76 करोड़, 307.57 करोड़ रु. खर्च किए गए।

(ग) वर्ष 2015 में ग्रामीण भारत में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा संचालित सर्वेक्षण के अनुसार स्वच्छ शौचालयों वाले परिवारों में से 95.6 प्रतिशत लोगों द्वारा उनका उपयोग होना पाया गया। इसके प्रयोग को आगे बढ़ावा देने हेतु स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अपने गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने की प्रक्रिया में व्यवहारगत परिवर्तन और समुदायों की भागीदारी पर ध्यान देता है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और एनआरडीडब्ल्यूपी दिशानिर्देशों में स्वच्छता उद्देश्यों हेतु जल की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए स्वच्छता और जल के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में संयुक्त दृष्टिकोण उपलब्ध हैं।